

Hindustan Machine Tools, Bangalore

*860. Shri Swell: Will the Minister of Industrial Development and Company Affairs be pleased to state:

(a) whether the Hindustan Machine Tools Ltd., Bangalore has drawn up a scheme of diversifying its products;

(b) the types of tools that it is producing and the new ones that it proposes to produce; and

(c) whether a scheme has also been finalised to boost up export of these tools?

The Minister of Industrial Development and Company Affairs (Shri F. A. Ahmed): (a) Yes, Sir.

(b) The present range of manufacture of machine tools covers high precision lathes; general purpose lathes; L series lathes including turret lathes; short turning machines; single spindle automatics; milling machines (mechanical type and electrically controlled type); radial drilling machines; cylindrical grinding machines; gear shapers; fine boring machine and special purpose machines and transfer line machines. The company plan to manufacture surface grinding machines; multi-tool automatic lathes; copying lathes; multi-spindle automatic lathes, gear hobbors; horizontal boring machines and broaching machines. Besides, they have under consideration schemes for the manufacture of metal forming machines such as presses, sheet metal machinery, etc., printing machinery and also power operated chucks and clamping devices.

(c) Yes, Sir.

काजू का निर्यात

*861. श्री प्रकाशवीर शार्लो :

श्री विचयकुमार शार्लो :

श्री रघुवीर सिंह शार्लो :

श्री अर्जुन सिंह मदीरिया :

श्री नरसैब श्यामक :

श्री राजाचतार वर्मा :

डा० सुभाषकाव्य पुरी :

क्या बाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह नव है कि अमरीका भारतीय काजू का मुख्य खरीददार है इसी-लिये काजू की माग लगातार बढ़ रही है;

(ख) क्या यह भी मन् है कि भारत अमरीका की माग को पूरा करने में असमर्थ है.

(ग) क्या हम माग को पूरा करने के लिये सरकार का विचार काजू का उत्पादन बढ़ाने का है;

(घ) यदि हा, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही करने का विचार है; और

(ङ) इसके परिणामस्वरूप काजू की कितनी प्रतिरिक्त मात्रा का निर्यात किये जाने की सम्भावना है ?

बाणिज्य मंत्री (श्री विमल सिंह) :

(क) जी, हा । इस समय हमारे निर्यात का लगभग 50 प्रतिशत अमरीका को जाता है ।

(ख) यह नहीं कहा जा सकता कि भारत माग को पूरा करने में असमर्थ है । इसके साथ-साथ अमरीका को हमारा निर्यात और बढ़ाने की सम्भावना विद्यमान है ।

(ग) जी, हा ।

(घ) काजू विकास परियोजना के विभिन्न राज्यों में काजू बागानों के विकास के लिये प्राथमिक कार्यवाही कर रही है । इस समय के लगभग 1.34 लाख हे० टन के अनुमानित उत्पादन की तुलना में चौथी योजना की अवधि के लिये भारत में कच्चे काजू का उत्पादन लगभग 3.28 लाख मेट्रिक टन रखा गया है ।

(ङ) यदि चौथी योजना का लक्ष्य पूरा हो गया तो भारत प्रति वर्ष 15,000 हे० टन की प्रतिरिक्त मात्रा का निर्यात कर सकेगा ।